अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञान (वर्ष–2018)

तृतीय वर्ष– प्रथम प्रश्न पत्र

बावन बोल –25

समय:3 घंटा दिनांक–28.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) आठ कर्मो का उदय उपशम, क्षय, क्षयोपशम निष्पन्न किस–किस गुणस्थान तक?

(ख) पन्द्रह योग कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) नौ तत्त्व के एक सौ पन्द्रह बोलों की पृच्छा।

प्र02 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) उदय के तैतीस बोल किस–किस कर्म के उदय से?

(ग) आठ आत्मा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन? तथा मूलगुण कितनी उत्तरगुण कितनी?

(घ) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र03 कोई तीन प्रश्न करें– 6

(क) अठारह पाप स्थान का उदय, उपशम, क्षायिक, क्षयोपशम, छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

(ख) श्रावक के बारह व्रत कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

(ग) उदय आदि छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

(घ) आश्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा ?

इक्कीस द्वार–25

प्र04 कोई चार बोल पूरा लिखें– 20

(क़) स्त्रीवेदी (ख) सास्वादन सम्यक्त्वी (ग) सम्यक मिथ्या दृष्टि

(घ) मनःपर्यवज्ञानी (ड) संयता संयति (च) अपरीत

प्र05 कितने व कौन से पाते हैं– दो–चार शब्दों में उत्तर दें। (कोई पांच) 5

(क) अचरम– उपयोग व पक्ष। (ख) अभवी– योग, भाव।

(ग) असंज्ञी– दण्डक व दृष्टि। (घ) सूक्ष्म–जीव के भेद, वीर्य।

(ड) अपर्याप्त– आत्मा, उपयोग। (च) भाषक –योग, गुणस्थान।

(छ) अवधिदर्शनी –गुणस्थान, दण्डक।

जैन तत्त्व प्रवेशः (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र06 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें– 5

(क) भौंरा मकड़ी आदि में प्राण कितने? (ख) पौषध प्रतिमा की विधि लिखें। (ग) छेद

Scanned by CamScanner

सूत्रों के नाम लिखें। (घ) व्यवहार नय किसे कहते है? (ड़) पारमार्थिक दान किसे कहते हैं? (च) परोक्ष ज्ञान का क्या तात्पर्य हैं? (छ) दया किसे कहते हैं?

प्र07 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) विश्राम द्वार

(ख) आगम द्वार को प्रारंभ से लेकर अंग कितने हैं? उनके नाम लिखें।

(ग) श्रावक सुपातर..... गटको रे। पद्य पूरा करें।

(घ) श्रावक ने ..... जाणो रे। पद्य पूरा करें।

(ड) जीव स्थान किसे कहते हैं? (च) श्रावक गुणद्वार लिखें

(छ) श्रावक प्रतिमा द्वार में से पांचवी व दसवीं प्रतिमा की विधि व समय लिखें।

प्र08 कोई दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) सम्यक दर्शन द्वार (ख) धर्म अधर्म द्वार

(ग) प्रश्नोत्तर द्वार– चींटी मकोड़े जूं आदि की पृच्छा लिखें।

(घ) व्रताव्रत द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए (बाकी का जो अव्रत रहता है वह अधर्म है) तक लिखिए अर्थात दोहों के पूर्व का जो भाग है उसे लिखिए।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान– 20

प्र09 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें: 8

प्रत्येक खंड से दो प्रश्न हल करिए–

पच्चीस बोल–

पच्चीस बोल (क) उन्नीसवां बोल (ख) बंध तत्व के भेद (ग) तेईसवां बोल

पच्चीस बोल की चर्चा– (घ) छः प्राण किसमें (ड़) तेरह योग किसमें। (च) जीव के पांच भेद किसमें?

चतुर्भगी– (छ) आत्मा किस कर्म का उदय? (ज) किस दण्डक के जीव कम, किस दण्डक वाले अधिक। (झ) ध्यान किस कर्म का उदय?

तत्व चर्चा– (ञ) बंध छह में कौन? नौ में कौन?(प) पुण्य और धर्म एक या दो? (फ) अधर्म और अधर्मास्ति एक या दो?

प्र010 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें। 12

कर्म प्रकृति–

कर्म प्रकृति– (क) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी निमित। अथवा स्थिति बंध किसे कहते हैं वर्णन करें।

जैन तत्व प्रवेश – (ख) दृष्टांत द्वार में पुण्य पाप पर रूपक लिखें। अथवा द्रव्य क्षेत्र काल भाव गुण द्वार– अजीव तथा पुण्य पाप बंध के द्रव्य क्षेत्रकाल भाव गुण का वर्णन करें।

पच्चीस बोल की चर्चा– तीन गुणस्थान से लेकर दस गुणस्थान तक लिखें।

अथवा

छह से लेकर 13 दण्डक तक लिखें।

चतुर्भगी– आठवां बोल अथवा आश्रव की चतुर्भगी लिखें।

Scanned by CamScanner